A-0395

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

MAJY-504

ग्रहण, वेध–यन्त्र तथा गोल परिचय–01

MA Jyotish (MAJY)

1st Semester, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 70

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x19=38]

Q.1. ग्रहण का परिचय देते हुए उसकी अवस्था, स्वरूप एवं प्रभावों का वर्णन करें।

Q.2. ग्रहण सम्भवासम्भव का उल्लेख करते हुए चन्द्रग्रहण एवं सूर्यग्रहण के बारे में लिखिये।

Q.3. सूर्यसिद्धान्त एवं सिद्धान्तशिरोमणि ग्रन्थानुसार भूभा का प्रतिपादन कीजिये।

Q.4. शर को परिभाषित करते हुए क्षेत्र द्वारा उसका साधन करें।

Q.5. लम्बन एवं नति का सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x8=32]

Q.1. भास्कराचार्य जी के मतानुसार लम्बन–नति का प्रयोजन लिखिये।

Q.2. चन्द्र बिम्ब में शुक्लांगुल साधन कैसे किया जाता है?

Q.3. सोदाहरण श्रृंगोन्नति साधन कीजिये।

Q.4. चन्द्रग्रहण का परिचय दीजिये।

P.T.O.

Q.5. कालांश से क्या तात्पर्य है? नक्षत्रों के कालांश का लेखन कीजिये।

Q.6. पात की स्थिति कालफल का उल्लेख कीजिये।

Q.7. दृक्कर्म से आप क्या समझते है?

Q.8. सिद्धान्त ज्योतिष में ग्रहण का महत्व प्रतिपादित कीजिये।

****